हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 47 देहरादून, मंगलवार, 08 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सचिव डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने आपदाओं के कारण हुई क्षति की समीक्षा की 3

# रू0 1/- प्रति बोतल अतिरिक्त शुल्क संग्रह करेगा आबकारी विभाग : रेखा आर्या

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 8 अगस्त , प्रदेश की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने अधिकारियों के साथ आबकारी विभाग से रू0 1/- प्रति बोतल सेस निर्धारित कर प्राप्त धनराशि खेल कोष अथवा महिला कल्याण कोष में जमा किये जाने के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक ली। दरअसल बैठक में मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि मार्च 2023 में कैबिनेट के निर्णय के अनुसार जिसमें गौ सेवा, महिला कल्याण तथा खेल कल्याण के लिए रू0 1/- प्रति बोतल आबकारी विभाग सेस के रूप में अनुशंसा की गई थी

इससे प्राप्त धनराशि को महिला सशक्तीकरण, गौ सेवा तथा खेल कल्याण हेतु उपयोग में लाया जायेगा लेकिन अगस्त 2023 तक उचित कार्यवाही न होने पर मंत्री ने अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आबकारी विभाग द्वारा रू0 1/- प्रति बोतल कर संग्रह किये जाने के बाद भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट में लिये गये निर्णय के अनुसार रू0 1/- प्रति बोतल सेस को संशोधित करते हुए रू0 1/- प्रति बोतल अतिरिक्त शुल्क के रूप में आबकारी विभाग द्वारा संग्रह किये जाने का प्रावधान किया जायेगा।

मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इसके साथ ही रू0 1/- प्रति बोतल अतिरिक्त शुल्क के संबंध में महिला सशक्तीकरण तथा खेल विभाग अपनी नियमावली तैयार करेंगे, जिससे धनराशि के व्यय के मानकों का तय किया जा सके तथा संबंधित विभागों को समय पर धनराशि उपलब्ध हो सके। इस मीटिंग में विशेष प्रमुख सचिव, खेल, अभिनव कुमार , सचिव, वित्त, दिलीप जावलकर , सचिव, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग, हरि चन्द सेमवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# चमोली में बादल फटने से मची तबाही, दहशत में स्थानीय लोग

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

चमोली 08 अगस्त : हर वर्ष लोग बरसात के आने का इंतजार करते हैं, मगर पहाड़ों पर बरसात आते ही वहां की हालत दयनीय हो जाती है। जगह जगह तबाही के मंजर नज़र आते हैं और यह इक्का-दुक्का जगह की बात नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के लगभग सभी पहाड़ी जिलों में ऐसे ही हालात उत्पन्न हो रहे हैं। बरसात में चमोली में भी त्राहि-त्राहि मच गई है। चमोली के स्यूण गांव के मज्जू ग्वाड़ में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। यहां सैकड़ों नाली भूमि पर नकदी धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। इसी के साथ ही गौशाला को भी नुकसान पहुंचा है। लुदांऊ गदेरे पर बना लकड़ी का पुल भी ध्वस्त हो गया है जिस वजह से गांव का

संपर्क मार्ग से कनेक्शन टूट गया है। दरअसल दशोली ब्लाक के स्यूण गांव के मज्जू ग्वाड़ में बीते शनिवार रात बादल फटने से ग्रामीणों की 100 नाली जमीन पर धान की पूरी फसल बर्बाद हो गई है। साथ ही मलवा से दो गौशालाओं को भी नुकसान पहुंचा है। वहीं भारी बारिश होने से लुदांऊ गदेरे पर बना अस्थाई लकड़ी का पुल भी बह गया है, जिससे लुदांऊ और स्यूंण गांव की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। वहीं गांव के 150 परिवारों की आवाजाही बंद हो गई है। संपर्क मार्ग से कनेक्शन कट हो जाने के कारण लोग कहीं आवाजाही नहीं कर पा रहे हैं। गदेरे पर भी उफ़ान आ रखा है जिसको पार करना खतरे से खाली नहीं है। वहीं बरसात से खाद्य सामग्रियों को भी भारी नुकसान हुआ है। मज्जू ग्वाड़ में बादल फटने से 15 परिवारों की लगभग 100 नाली जमीन पर नगदी धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। ग्रामीणों ने शासन - प्रशासन को मौके का निरीक्षण कर प्रभावितों को खेती व नकदी फसल का मुआवजा दिए जाने की मांग करने के साथ ही लुदांऊ गदेरे में लकड़ी के अस्थाई पुल की मांग भी की है। मौसम की बात करें तो आने वाले कुछ दिन तो बरसात से राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने मूसलाधार बरसात का अलर्ट जारी कर दिया है।

# उत्तराखंड में 9 अगस्त तक बारिश से राहत नहीं, 9 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड 08 अगस्त : उत्तराखंड में फिलहाल बारिश से राहत के आसार नहीं दिख रहे है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले कुछ दिन और उत्तराखंड को मौसम से राहत नहीं मिलेगी बरसात लोगों की नाक में दम करती रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य में 9 अगस्त तक भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ विक्रम सिंह के मुताबिक अगले तीन-चार दिन राज्य में मानसून की गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। 9 अगस्त तक मूसलाधार बारिश की संभावना है।

वहीं कुछ इलाकों में बारिश के तीव्र से अति तीव्र दौर के भी आसार हैं। वहीं 9 अगस्त तक कुल 9 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि बाकी जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी है। वहीं 8 अगस्त को अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल और उधम सिंह नगर

जिले के ऑरेंज अलर्ट जारी है, जबकि बाकी जिलों में यलो अलर्ट रहेगा। 9 अगस्त को टिहरी, देहरादून, पौड़ी, बागेश्वर और हरिद्वार जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जबकि बाकी जिलों में यलो अलर्ट लगा रहेगा। ऐसे में मौसम विभाग ने लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है। मौसम की तमाम जानकारी के लिए Uttarakhand Weather Report पढ़ते रहें।

# तीलू रौतेली पुरस्कारों की घोषणा एथलीट मानसी नेगी, गरिमा जोशी समेत 13 महिलाएं होंगी सम्मानित

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय एथलीट मानसी नेगी, विश्व पैरा एथलेटिक्स गरिमा जोशी समेत 13 महिलाओं को मंगलवार को राज्य के प्रतिष्ठित तीलू रौतेली पुरस्कार से नवाजा जाएगा। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग ने इस वर्ष के लिए तीलू रौतेली पुरस्कारों की घोषणा कर दी। दूसरी तरफ, 35 आंगनबाड़ी कर्मचारियों का चयन आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार के लिए किया गया है।उपनिदेशक विक्रम सिंह के अनुसार मंगलवार को सर्वे चौक के निकट स्थित आईआरटीडी सभागार में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दोनों पुरस्कारों के विजेताओं का सम्मानित किया जाएगा।

ये हैं तीलू रौतेली: देहरादून-अमीशा चौहान हरिद्वार-दिव्या भारद्वाज उत्तरकाशी- ममता टिहरी-हिमानी पौड़ी- नूतन पंत रुद्रप्रयाग-प्रीति चमोली-मानसी नेगी पिथौरागढ़-निवेदिता कार्की अल्मोड़ा-गरिमा जोशी बागेश्वर- मोहिनी कोरंगा चंपावत-सांभवी मुरारी यूएसनगर-नीलिमा राय नैनीताल-मंजू पांडेय

## छात्र-छात्राओं को दी साइबर क्राइम की जानकारी

बागेश्वर। राजकीय इंटर कॉलेज लोहारचौरा में पुलिस ने सोमवार को जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा, गुट टच-बैड टच आदि विषयों पर जानकारी दी। कहा कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। वे इंटरनेट के माध्यम से सीधे संपर्क कर सकते हैं। पुलिस की ओर से विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है। नशे से होने वाले दुष्परिणाम बताए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। विद्यार्थियों के बीच पुलिस को भेजा जा रहा है। उन्हें महिला सुरक्षा के प्रति सजग रहना है। यौन उत्पीडन, मानव तस्करी आदि के अलावा गौरा शक्ति पंजीकरण कराने की समझ विकसित की जा रही है। इसके अलावा विद्यार्थियों को उत्तराखंड पुलिस एप की सुविधाओं, हेल्पलाइन नंबर 112, साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर-1930, महिला 1090 आदि की जानकारी दी जा रही है।

# गलती से सुश्रुत ने किया था लड्डू का आविष्कार !

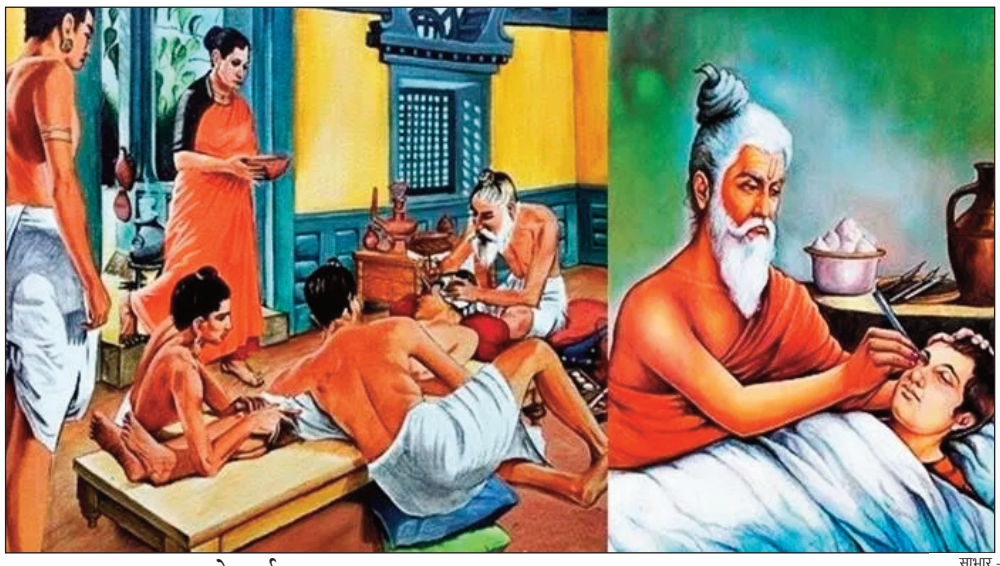

साभार - सो.मी.

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 अगस्त , भारत में लड्डू का महत्व धार्मिक और संस्कृति से भी जुड़ा है। इसे अक्सर मंदिरों में प्रसाद के रूप में खाया जाता है। त्योहारों, फंक्शन और धार्मिक आयोजन में भी भक्तों के लड्डू प्रसाद के तौर पर बांटा जाता है। लेकिन लड्डू भारत में सबसे लोकप्रिय मिठाई है, जिसका आनंद बच्चों से लेकर बड़ों तक लेना पसंद करते हैं।माना जाता है कि लड्डू सबसे पुरानी भारतीय मिठाइयों में से एक है। यह सदियों से भारतीय व्यंजनों का अभिन्न अंग रहा है।

'हांलाकि लड्डू' नाम संस्कृत शब्द 'लड्डुका' से लिया गया है, जिसका अर्थ है छोटी गेंद। लड्डू का जिक्र महाभारत और रामायण जैसे प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में भी किया गया है। इन ग्रंथों में, लड्डू को 'मोदक' कहा गया है।

इन लड्डुओं का इतिहास काफी रोचक है। जी हां, इसका दिलचस्प किस्सा आपको बताते हैं। अगर if इतिहासकारों के अनुसार, लड्डू बनाने की शुरुआत चौथी शताब्दी ईसा पूर्व हुई थी। क्योंकि उस समय लड्डू का आविष्कार महान भारतीय चिकित्सक सुश्रुत ने किया था गलती से खोजा था. उन्होंने मरीजों को परोसे जाने वाले कड़वे जड़ी-बूटी के मिश्रण में टिल गुड़ आदि के लड्डू का इस्तेमाल किया था हालाँकि उन्होंने आसानी से सेवन करने और खुराक को अलग-अलग रखने के लिए अपने ऑपरेशन वाले मरीजों को लड्डूओं के रूप में एंटीसेप्टिक दवाएं दीं थीं।

**बीमारी ठीक करने के लिए बना था लड्डू**

लड्डू को चोल वंश में सैनिक 'गुड लक' मानते थे। वो जब भी युद्ध के लिए निकलते थे, अपने साथ लड्डू लेकर जाते थे। पहले इसे बनाने के लिए गुड़ का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन बाद में गुड़ के बजाए चीनी का इस्तेमाल होने लगा। इससे लड्डू के चाहने वालों की संख्या बढ़ती गई। भारत के मशहूर लड्डू की बात करें तो बेसन के लड्डू , मोतीचूर लड्डू , नारियल का लड्डू , तिल के लड्डू , पिन्नी लड्डू बेहद मशहूर है लेकिन अब समय के साथ लड्डुओं की वेरायटी में इज़ाफ़ा हुआ है और अब ये शुभ कार्यों में ज़रूर परोसी जाती है।

# विश्व में टमाटर उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान फिर भी महंगा क्यों ?

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 अगस्त , इस समय टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं। 180 से 200 रुपए किलों में टमाटर बिक रहे हैं। आपको बता दें विश्व में टमाटर उत्पादन में 11% योगदान के साथ, भारत 2022 में विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर है। 2021-22 प्रस में उत्पादन 20.69 मिलियन टन था वर्ष 2022-23 में टमाटर का उत्पादन गिरकर 20.62 मिलियन टन हो गया है, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बिहार, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु ऐसे प्राथमिक राज्य हैं जहां देश के अधिकांश टमाटर आपूर्तिकर्ता स्थित हैं। देश के कुल उत्पादन का 91% उत्पादन इन्हीं राज्यों द्वारा किया जाता है।

साभार - गूगल

**कमीशन एजेंटों और बिचौलियों की वजह से बढ़े दाम**

भारत में, टमाटर का विपणन आमतौर पर कमीशन एजेंटों और व्यापारियों जैसे बिचौलियों द्वारा किया जाता है जो सब्जी बाजारों में मौजूद होते हैं लेकिन किसानों या उपभोक्ताओं की भलाई में कम से कम रुचि रखते हैं। मार्केट कमीशन एजेंट बाजार स्तर पर काम करते हैं और सरकार को एक निश्चित प्रतिशत शुल्क का भुगतान करते हैं। दूसरी ओर, व्यापारी थोक विक्रेता होते हैं जो एक बाजार से या किसानों से भारी मात्रा में टमाटर खरीदते हैं और अपनी खरीद पर लाभ प्राप्त करने के लिए दूसरे राज्यों के बाजारों में बेचते हैं।

मार्केट कमीशनिंग एजेंट पूरे भारत में अन्य बाजारों में काम करने वाले समान पेशेवरों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखते हैं। इन बिचौलियों को बाजार में मांग और आपूर्ति का मिलान कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। इन बिचौलियों के लिए, शहरी क्षेत्रों में रहने वाली अधिकांश भारतीय आबादी जो उच्च आय के साथ गैर-कृषि औद्योगिक गतिविधियों में लगी हुई है, टमाटर जैसी सब्जियों की उच्च मांग वाले प्रमुख बाजार है। बिचौलियों को इन लोगों से सबसे अधिक लाभ मिलता है और 'उनकी छिपी हुई भारी मांग ग्रामीण गांवों से आपूर्ति से पूरी होती है जो टमाटर के प्रमुख उत्पादक और आपूर्तिकर्ता हैं।

**टमाटर मांग लगभग 30% बढ़ी**

भारत में प्रसंस्कृत टमाटर उत्पादों की मांग भी पिछले 3 वर्षों से लगभग 30% की वार्षिक दर से बढ़ रही है। अनुमान है कि भारत में उत्पादित फलों और सब्जियों का लगभग 1.3 प्रतिशत प्रसंस्करण उद्योग द्वारा उपयोग किया जाता है।भारत में विभिन्न खाद्य प्रोसेसर टमाटर को या तो प्राथमिक प्रसंस्कृत उत्पादों जैसे टमाटर पेस्ट, टमाटर का गूदा, टमाटर का रस या टमाटर केचप, टमाटर सॉस, टमाटर आधारित पाक सॉस और चटनी जैसे माध्यमिक प्रसंस्कृत उत्पादों में संसाधित करते हैं या तुरंत उपयोग किए जाने वाले टमाटर सूप, निर्जलित करी और पाउडर में परिवर्तित करते हैं। टमाटर प्रसंस्करण में प्रमुख तें खिलाड़ी नेस्ले इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, क्राफ्ट टमाटर पेस्ट की मांग में लगातार बढ़ोत्तरी हुई।

# दुनिया की सबसे बड़ी गुफा के अंदर जाने के लिए लेना पड़ता है, 2 लाख का टिकट

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 08 अगस्त : दुनिया में कई तरह की गुफाएं मौजूद हैं और हर गुफाओं की अपनी खासियत भी है। लेकिन क्या आपको ये पता है कि दुनिया में सबसे बड़ी गुफा कौन सी है और कहां स्थित है? यह गुफा इतनी बड़ी है, जिसमें कई इमारतें बनाई जा सकती हैं, वो भी 40 मंजिला तक। दरअसल, इस गुफा का नाम 'सोन डोंग' है, जो मध्य वियतनाम के जंगलों में स्थित है।

सोन डोंग गुफा की कुल लंबाई 9 किलोमीटर है, और इसमें लगभग 150 अलग-अलग गुफाएं हैं। इस गुफा के अंदर पेड़-पौधों से लेकर जंगल, बादल और नदी तक सबकुछ हैं। लाखों साल पुरानी इस गुफा को साल 2013 में पहली बार पर्यटकों के लिए खोला गया था। आपको जानकर हैरानी होगी कि हर साल सिर्फ 250-300 लोगों को ही यहां जाने की इजाजत मिलती है। इस गुफा की खोज साल 1991 में 'हो खानह' नाम के स्थानीय शख्स ने की थी, लेकिन उस वक्त पानी की भयंकर गर्जना और गुफा में घोर अंधेरा होने के कारण कोई भी अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया थाअंतर-राष्ट्रीय स्तर पर साल 2009 में इस गुफा को पहचान मिली, जब एक ब्रिटिश रिसर्च एसो-सिएशन ने पहली बार दुनिया को इस गुफा की झलक दिखाई।

बाद में साल 2010 में वैज्ञानिकों ने एक 200 मीटर ऊंची दीवार, जिसे 'वियतनाम की दीवार' भी कहते हैं, को पार कर गुफा के अंदर जाने के रास्ते का पता लगाया , हर साल पर्यटक अगस्त महीने से पहले ही इस गुफा के अंदर जाकर फिर लौट आते हैं, क्योंकि इसके बाद गुफा के अंदर मौजूद नदी का जलस्तर बढ़ जाता है। गुफा के अंदर जाने के लिए प्रति व्यक्ति टिकट लगभग दो लाख रुपये का आता है।

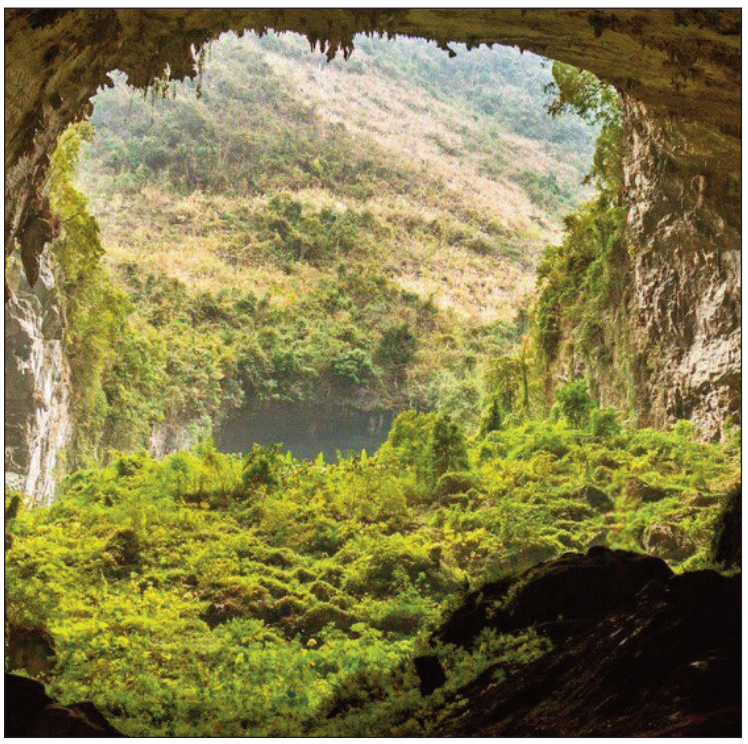

# उत्तराखण्ड को ऑपरेशन सद्भावना में सम्मिलित किया जाए : गणेश जोशी

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

नई दिल्ली, 8 अगस्त , सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सीडीएस चीफ आफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान से शिष्टाचार भेंट की। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सीडीएस अनिल चौहान से जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख की भांति उत्तराखण्ड के चीन सीमा से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों को ऑपरेशन सद्भावना में सम्मिलित करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा उत्तराखंड की भौगोलिक और सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और उत्तराखंड के जनपद पिथौरागढ़ के 119 ब्रिगेड तथा जनपद चमोली के जोशीमठ में सेना के 09 ब्रिगेड को ऑपरेशन सद्भावना में सम्मिलित किया जाए।

सैनिक कल्याण मंत्री ने डोईवाला में कैंटीन खोलने के प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति का आग्रह किया और प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए आवश्यकतानुसार अन्य स्थान में कैंटीन खोलने पर विचार करने का अनुरोध किय। इसके अतिरिक्त, देहरादून में निर्माण हो रहे सैन्य धाम को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें सैनिक कल्याण मंत्री ने सीडीएस से उत्तराखंड के वीर योद्धाओं द्वारा युद्ध के दौरान इस्तेमाल शस्त्रों को भी सैन्य धाम में स्थापित किया जाने का आग्रह किया ताकि युवा पीढ़ी देश की सेना के प्रति आकर्षित हो सके।

ऑपरेशन सद्भावना विशेष रूप से नियंत्रण रेखा के पास ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू किया गया है। इसके तहत कई कल्याणकारी पहल की जाती है। जिसमें बुनियादी ढांचा विकास, चिकित्सा देखभाल, महिला और युवा सशक्तीकरण, शैक्षिक पर्यटन और खेलकूद टूर्नामेंट शामिल हैं। परियोजनाओं को स्थानीय आबादी की जरूरतों और इच्छाओं के अनुसार योजनाबद्ध किया जाता है और सफल दीक्षा के बाद राज्य सरकार को सौंप दिया जाता है। 'ऑपरेशन सद्भावना 'भारतीय सेना द्वारा जम्मू-कश्मीर में आबादी के करीब आने और आपसी विश्वास और विश्वास विकसित करने का संकल्प है। इन सभी बिंदुओं पर सीडीएस अनिल चौहान ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए मामले में शीघ्र कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

# सचिव डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने आपदाओं के कारण हुई क्षति की समीक्षा की

## अन्तरमंत्रालयस्तरीय केन्द्रीय दल का 8 से 11 अगस्त के मध्य हरिद्वार जनपद का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित

- तुलनात्मक अध्ययन हेतु सभी विभाग प्रत्येक मानसून अवधि में हुई क्षति का वर्षवार डाटा तैयार करें
- कृषि विभाग को आपदाओं के कारण फसलों की प्रोडेक्टिविटी लॉस के अध्ययन के निर्देश

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 8 अगस्त , सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने सचिवालय में विभिन्न विभागों के साथ प्रदेश में हाल ही में आपदाओं के कारण हुई क्षति की समीक्षा की। सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 सिन्हा ने जानकारी दी कि वर्तमान मानसून अवधि में राज्य में अतिवृष्टि, बाढ़ व अन्य आपदाओं के कारण हुयी क्षति के आँकलन हेतु गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित अन्तरमंत्रालयस्तरीय केन्द्रीय दल द्वारा 8 से 11 अगस्त के मध्य हरिद्वार जनपद का भ्रमण किया जाना प्रस्तावित है।सचिव आपदा प्रबन्धन ने प्रत्येक विभाग से वर्तमान मानसून अवधि में हुई समस्त क्षतियों की जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि इस मानसून अवधि में हुयी समस्त क्षतियों के श्रेणीवार विवरण तथा सटीक डाटा का विवरण जल्द से जल्द तैयार किया जाय। सचिव आपदा प्रबन्धन ने कहा कि सभी विभाग प्रत्येक मानसून अवधि में हुई क्षति का वर्षवार डाटा तैयार करें ताकि इसका तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके।सचिव डा0 सिन्हा ने कहा कि शीघ्र ही भारत सरकार से गाइडलाइन्स में बदलाव हेतु वार्ता की जाएगी। इस सम्बन्ध में उन्होंने सभी विभागों से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने विशेषकर कृषि विभाग को आपदाओं के कारण फसलों की प्रोडेक्टिविटी लॉस के अध्ययन के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर सचिव सविन बंसल, नवनीत पाण्डेय, डा0 अमनदीप कौर तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## एटीएम कार्ड बदलकर उड़ाए 85 हजार

हरिद्वार। ऊर्जा निगम के रिटायर अधिकारी का एटीएम कार्ड बदलकर रकम निकाल ली गई। ज्वालापुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का दावा है कि साइबर सेल की मदद से मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र की गली नंबर दो आर्यनगर निवासी ओम राठौर आर्यनगर चौक के पास एक एटीएम से रकम निकालने गए थे। इसी दौरान उन्हें एक युवक मिला। युवक ने एटीएम कार्ड से पैसे निकलाने में अधिकारी की मदद का भरोसा दिया। झांसे में लेकर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया था। बाद में युवक ने तकनीकी दिक्कत आने की बात कहकर उन्हें वापस लौटा दिया। कुछ देर बाद उनके मोबाइल फोन पर खाते से रकम निकलने का मैसेज आया। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

## ट्रांसफार्मर चोरी, पुलिस के हाथ पांव फूले

हरिद्वार। हरिद्वार-रुडकी हाईवे पर ऊर्जा निगम का ट्रांसफार्मर से सामान चोरी कर लिया गया। अवर अभियंता की शिकायत पर ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किया है। ऊर्जा निगम के अवर अभियंता रामकुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दो जुलाई को विभागीय कार्य से जा रहे थे। इसी दौरान राजमार्ग पर पीतलवुड अपार्टमेंट के पास ट्रांसफार्मर को जांचा। ट्रांसफार्मर से सामान चोरी कर लिया गया था। इससे निगम को करीब 69 हजार का नुकसान हुआ है। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

## कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव का हरिद्वार पहुंचने पर स्वागत

हरिद्वार। उत्तराखंड में होने वाली भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों के लिए बैठक लेने पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव का हरिद्वार पहुंचने पर स्वागत किया गया। ज्वालापुर स्थित हाईवे पर स्वागत के दौरान प्रदेश प्रभारी ने कहा कि बीजेपी ने राहुल गांधी को षड्यंत्र के तहत लोकसभा सदस्य से हटवाया लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी को आईना दिखाने का काम किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि 2024 में केंद्र की सत्ता बदलने वाली है। बीजेपी से जनता त्रस्त है और सरकार महंगाई पर लगाम नहीं लगा पा रही। विधायक रवि बहादुर ने कहा कि जनता बीजेपी की कथनी और करनी को समझ चुकी है और अब पूरा देश सत्ता परिवर्तन चाहता है। पूर्व दर्जाधारी रकित वालिया ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा उत्तराखंड की तैयारियों के लिए देवेंद्र यादव उत्तराखंड पहुंचे हैं। 10 दिन तक राज्य में रैली आयोजित की जाएगी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों यात्रा करेंगे। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष अमन गर्ग, पीसीसी सदस्य मुरली मनोहर, मेयर प्रतिनिधि अशोक शर्मा, महेश प्रताप राना, पार्षद इसरार सलमानी, जफर अब्बासी, पुनीत कुमार, सद्दीक गाड़ा, तासीन, हाजी शाहबुद्दीन, मन्नू रियाज, युवा जिलाध्यक्ष कैश खुराना, नितिन तेश्वर, अनिल कपूर, राहुल चौधरी, राकेश गुप्ता, यशवंत सैनी, रेखा, शालिनी, तरुण व्यास, नारायण कुमार, सोनू शर्मा, अरविंद चंचल, पप्पू वाल्मीकि, धनीराम शर्मा, ऋषभ वशिष्ठ, प्रशांत, रहीस अब्बासी, शौकत अली, अंकित चौहान आदि उपस्थित थे।

# केदारनाथ-बदरीनाथ हाईवे को जोड़ेगी ये सुरंग, यात्रियों को जाम से मिलेगी राहत

**न्यूज वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड 08 अगस्त : चारधाम यात्रा की महत्वता से कोई इंकार नहीं कर सकता। हर वर्ष सैकड़ों यात्री चार धाम यात्रा पर आते हैं, जिससे स्टेट को अच्छा खासा रेवेन्यू जनरेट होता है।

ऐसे में सरकार यात्रियों की यात्रा और अधिक सुगम बनाने का और अधिक प्रयास करती रही है। अब इसी कड़ी में रुद्रप्रयाग में बदरीनाथ और केदारनाथ नेशनल हाईवे को आपस में जोड़ने वाली नौ सौ मीटर लंबी टनल का भी नाम जुड़ गया है। इस टनल के बनने के बाद सफर का रास्ता सुगम होने के साथ कम हो जाएगा जिससे यात्रियों का सफर आसान हो जाएगा। इसका कार्य भी पांच सौ मीटर तक पूरा हो चुका है।बता दें कि बदरीनाथ और केदारनाथ नेशनल हाईवे को आपस में जोड़ने को लेकर बनाई जा रही सुरंग का कार्य तेजी से चल रहा है। मात्र सात महीने में पांच सौ मीटर से अधिक टनल का निर्माण कार्य हो गया है।

ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि नवंबर तक टनल का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा। इसी के साथ अलकनंदा नदी पर लगभग दो सौ मीटर लंबे मोटरपुल का निर्माण कार्य किया जाएगा। टनल और पुल बनने के बाद बदरीनाथ व केदारनाथ हाईवे सीधे आपस में जुड़ जाएंगे। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ और बदरीनाथ हाईवे को सीधे आपस में जोड़ने के लिये नौ सौ मीटर लंबी टनल और अलकनंदा नदी पर दो सौ मीटर लंबे पुल का निर्माण कार्य पर लगभग 156 करोड़ की लागत आ रही है। इससे मिलने वाले अनगिनत लाभ हैं। इससे तीर्थ यात्रियों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी, साथ ही कई किलोमीटर का अतिरिक्त सफर भी बचेगा। टनल और पुल का निर्माण कार्य कर रही भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी के एजीएम अश्विनी कुमार ने बताया कि सुरंग का निर्माण कार्य आधे से ज्यादा हो चुका है। नवंबर तक सुरंग का कार्य पूरा होने की उम्मीद है।

# उत्तराखंड : 100 रुपये के लिए कर दिया युवक का कत्ल

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड 08 अगस्त : उत्तराखंड का खटीमा क्षेत्र यहां महज सौ रुपये के लिए एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोपी युवक खेत में काम करने के एवज में अपने पैसे मांग रहा था। इसी को लेकर उसकी दूसरे युवक से कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद आरोपी ने धारदार हथियार से वार कर युवक को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना शक्ति फार्म क्षेत्र की है। जहां से पुलिस ने नंदू सरकार नाम के युवक को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है।

उसके पास से हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद हुआ। नंदू सरकार पर क्षेत्र में रहने वाले अखिल बाला की हत्या करने का आरोप है। पुलिस पूछताछ के दौरान नंदू ने बताया कि उसने कुछ समय पहले अखिल बाला के खेत में काम किया था। नंदू अखिल से काम के पैसे मांग रहा था, लेकिन अखिल पैसे देने में आनाकानी कर रहा था। नंदू जब भी अपने पैसे मांगता तो अखिल उसके साथ गाली गलौच करने लगता, वो नंदू को उसकी मेहनत के पैसे नहीं दे रहा था। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच सौ रुपये के लेन-देन को लेकर झगड़ा हो गया, लेकिन अखिल ने सोचा नहीं था कि महज सौ रुपये बचाने के चक्कर में उसकी जान चली जाएगी। घटना के वक्त अखिल और नंदू दोनों ही नशे की हालत में थे। पैसे को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद गुस्से में आकर नंदू सरकार ने धारदार हथियार से अखिल बाला पर एक के बाद एक कई वार कर दिए। जिससे अखिल बाला के सिर और गले पर गहरी चोटें आईं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के भाई बृजवाली बाला ने शक्तिफार्म पुलिस चौकी में इसकी सूचना दी। जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# 15 अगस्त को ही क्यों मनाया जाता है स्वतंत्रता दिवस ?

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

साभार - सो.मी.

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 अगस्त , भारत आजादी के 75 साल पूरे होने पर अमृतकाल का गौरवशाली जश्न मनाया जा रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। हमेशा की तरह देश की राजधानी दिल्ली का लाल किला आजादी के प्रतिष्ठित समारोहों का गवाह बनेगा। 'आजादी के अमृत महोत्सव' पर विगत बीते वर्ष की तरह इस बार भी हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सभी घरों में 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराया जाएगा। उआइए हम इसके इतिहास और महत्व को जानते हैं।

**स्वतंत्रता दिवस का इतिहास**

भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल ऐसे कई भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों ने कई आंदोलनों की शुरुआत की। जिन्होंने किसी न किसी तरह से 90 साल बाद गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने में मदद की। हम इस स्वतंत्रता का श्रेय अपने वीर स्वतंत्रता सेनानियों को देते हैं, जिन्होंने एक बार भी अपनी जान देने में संकोच नहीं किया, ताकि उनकी आने वाली पीढ़ियां भारत की खुली हवा में सांस ले सकें।

**इतिहास के पन्ने क्या कहते हैं ?**

4 जुलाई, 1947 को ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में भारतीय स्वतंत्रता विधेयक पेश किया गया और 15 दिनों के भीतर पारित कर दिया गया। 15 अगस्त 1947 को, भारत पर ब्रिटिश शासन समाप्त हो गया और इतिहास को चिह्नित किया। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पहली बार दिल्ली के लाल किले से तिरंगा फहराया। इसके बाद, हर साल स्वतंत्रता दिवस पर, लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, जिसके बाद प्रधान मंत्री राष्ट्र के नाम एक संबोधन करते हैं।

# उत्तराखंड : आर्मी स्कूल में शिक्षक बनने का शानदार मौका

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

साभार - सो.मी.

उत्तराखंड 08 अगस्त : अगर आप में भी योग्यता है तो जल्द से जल्द आवेदन करें और शिक्षक बनने की दिशा में अपने कदम बढ़ाएं। खाली पदों को भरने के लिए आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी ने जॉब नोटि-फिकेशन निकाला है। इसके मुताबिक टीजीटी, पीजीटी और पीआरटी के पदों पर वैकेंसी निकाली गई है। जो भी आवेदन भर्ती के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उन्हें आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एप्लीकेशन फॉर्म 10 सितंबर तक भरे जाएंगे। आर्मी स्कूल में शिक्षकों के पदों पर आवेदन करने के लिए अलग-अलग योग्यता मांगी गई है। पोस्ट ग्रेजुएट टीचर यानी पीजीटी पदों के लिए आवेदक का कम से कम 50 फीसदी नंबरों के साथ पोस्ट ग्रेजुएशन एवं बीएड किया होना जरूरी है। इसी तरह टीजीटी पदों के लिए उम्मीदवार के पास ग्रेजुएट की डिग्री के साथ बीएड की डिग्री होनी चाहिए। प्राइमरी टीचर के पदों के लिए उम्मीदवार के पास ग्रेजुएट के साथ बीएड डीएलएड की डिग्री होना अनिवार्य है।

इन पदों पर चयन के लिए सबसे पहले उम्मीदवारों को ऑनलाइन स्क्रीनिंग टेस्ट यानि ओएसटी से होकर गुजरना होगा। ओएसटी का आयोजन 30 सितंबर और 1 अक्टूबर 2023 को होगा। अब सबसे जरूरी बात नोट कर लें। आवेदन के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.awesin-dia.com पर विजिट करें,

## संक्षिप्त खबरें

### गणेशपुर में हो रहे धसाव को लेकर डीएम सख्त

हरिद्वार। रुडक़ी के गणेशपुर में सीवर लाइन के चैंबर, सडक़ और लोगों के घर धंसने को लेकर जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने एडीबी के अधिकारियों को सीवर लाइन की मरम्मत करने के निर्देश दिए है। मामले में लापरवाही पर कार्रवाई को चेताया है। रुडक़ी के गणेशपुर में एडीबी के काम होने के बाद से ही मकानों के धंसने की समस्या थी। यहां सडक़ भी धंस गई है। निर्माण के समय से ही लोग एडीबी के कामों पर सवाल उठाते रहे हैं। पिछले दिनों रुडक़ी के गणेशपुर में सीवर लाइन से हो रहे रिसाव के चलते चैंबर से लेकर सडक़ जगह जगह धंस गई थी। कई घर भी धंसाव की जद में आए आ गए थे। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया था। आम लोगों की सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा हो रहा है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुडक़ी अभिनव शाह ने इस संबंध में जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल को पत्र भेजकर स्थिति की जानकारी दी थी। जिसमें बताया गया कि एशियन डवलेपमेंट बैंक (एडीबी) ने वर्ष 2016-17 में सीवर लाइन बिछाई थी। उस समय सीवर लाइन बिछाने के साथ साथ सडक़ भी एडीबी ने बनाई थी। साल 2020 में अधिक बरसात होने के चलते सीवर लाइन के चैंबर और सडक़ धंस गई थी। इसी कारण आम लोगों के मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। डीएम ने एडीबी के अधिकारियों को परिस्थितियों, आम जनता की सुरक्षा को देखते हुए गणेशपुर में सीवर लाईनों को आंशिक रूप से बंद कर उनकी मरम्मत करने के निर्देश दिए हैं। एडीबी के अधिकारी आवश्यकता होने पर जल संस्थान की भी मदद करेंगे। डीएम ने चेताया कि यदि कार्य में लापरवाही मिलती है तो आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

### शांतिकुंज स्काउट गाइड ने निकाली पर्यावरण रैली

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय एवं गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज के रोवर व रेंजर, स्काउट व गाइड ने विवि परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण बचाओ रैली निकाली। रैली में फलदार व देववृक्ष के पौधे लेकर लोगों को पर्यावरण का महत्व बताया गया। देसंविवि व गायत्री विद्यापीठ के उच्चाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली देसंविवि, गायत्री विद्यापीठ होते हुए हरिपुर कलं पहुंची। समापन से पूर्व गायत्री विद्यापीठ के प्रधानाचार्य सीताराम सिन्हा ने पौधारोपण का महत्व और उनके संरक्षण पर जोर दिया। अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रमुख डॉ. प्रणव पण्ड्या और शैलदीदी ने स्काउट गाइड के कार्यों की सराहना की। कहा कि जीवन को स्वस्थ रखने तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधों का रोपण कर उनकी देखभाल भी जरूरी है।

### फांसी के फंदे पर झूलकर छात्र ने दी जान

हरिद्वार। लालढांग। 12वीं के एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लगा है। गांव रसूलपुर निवासी शिवलाल की किराना की दुकान है। सोमवार को वह अपनी दुकान पर थे। परिवार के अन्य सदस्य किसी काम से घर से बाहर गए थे। कुछ देर बाद जब परिवार के अन्य सदस्य घर लौटकर आए तो मोहित (18) का शव फांसी के फंदे पर झूलता मिला। परिजन ने शव को नीचे उतारा। सूचना पर चौकी प्रभारी विनय मोहन द्विवेदी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया कि मोहित 12वीं का छात्र था। आत्महत्या की वजह का पुलिस पता लगा रही है।

### समान नागरिक संहिता समय की मांग : रविंद्रपुरी

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने समान नागरिक संहिता पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। सोमवार को गोष्ठी में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी (निरंजनी) ने कहा कि युवाओं और छात्र-छात्राओं के माध्यम से यूसीसी की भ्रांतियां दूर करने में शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समान नागरिक संहिता समय की मांग है। यदि हमें भारत को सशक्त राष्ट्र बनाना है तो इसके समस्त नागरिकों के लिए उत्तराधिकार और संपत्ति हस्तांतरण के समान नियम होने आवश्यक है। गोष्ठी के दौरान प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा, डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, विनय थपलियाल, डॉ. तेजवीर सिंह तोमर, डॉ. सुगंधा वर्मा, डॉ. सुषमा नयाल, प्रो. जगदीश चंद्र आर्य, डॉ. विजय शर्मा, रिंकल गोयल, रिचा मिनोचा, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. लता शर्मा, डॉ. शिव कुमार चौहान, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रेणू सिंह, डॉ. पूर्णिमा सुंदरियाल, विनीत सक्सेना, राजकुमार, संजीत कुमार आदि उपस्थित रहे।

### छात्र छात्राओं को सीखाए तनाव मुक्त रहने के उपाय

हरिद्वार। स्वामी हरिहरानंद पब्लिक स्कूल में कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र एवं छात्राओं को परीक्षा से तनाव मुक्त रहने के लिए उपाय बताए गए । डॉ. आनंद मोहन मिश्रा और डॉ. निखिल मिश्रा ने कहा कि तनाव हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में और परीक्षा की तैयारी में रुकावट बनता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि हमें स्वयं को पहचान कर अपनी प्रतिभा को निखारना होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्या हेमा पटेल ने दीप जलाकर किया। कार्यशाला में टाइम मैनेजमेंट तकनीक विद्यार्थियों को बताए गए। जिससे विद्यार्थी अपने समय का सही सदुपयोग कर पाएं। समय सारणी, बेहतर टाइम मैनेजमेंट, पढने के लिए अनुकूल वातावरण की आवश्यकता से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया ।

### उधार ली गई राशि न लौटाने पर तीन माह की कैद

हरिद्वार। उधार ली गई धनराधि वापस नहीं लौटाने के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट शिखा भंडारी ने आरोपी युवक को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने दोषी को तीन महीने के कारावास और तीन लाख 95 हजार रुपये अदा करने की सजा सुनाई है। तीन लाख 90 हजार रुपये बतौर प्रतिकर राशि शिकायतकर्ता को अदा करने होंगे और पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। विद्या विहार कॉलोनी कनखल निवासी शिकायतकर्ता अधिवक्ता लोकेश दक्ष ने बताया कि मनोज कुमार से उसकी अच्छी दोस्ती और जान पहचान चली आती थी। मनोज ने उससे एक प्लॉट खरीदने के लिए तीन लाख रुपये एक महीने के लिए उधार देने की मांग की। मनोज के साथ पहले से भी शिकायतकर्ता का लेन देन चला आता था। जिस पर शिकायतकर्ता ने उसे एक महीने के लिए तीन लाख रुपये दे दिए थे। तय अवधि के बाद शिकायतकर्ता ने मनोज कुमार से अपने रुपये वापस मांगे तो मनोज कुमार ने उसे अपने बैंक खाते का एक चेक हस्ताक्षर कर दिया था। लेकिन बैंक में प्रस्तुत करने पर खाते में पैसे नहीं होने पर बैंक कर्मचारियों ने खाली लौटा दिया था। शिकायतकर्ता ने मनोज कुमार पुत्र विक्रम सिंह निवासी ग्राम अम्बुवाला पथरी को एक लीगल नोटिस भेजा था। नोटिस के बाद भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया था। थक-हारकर शिकायतकर्ता ने कोर्ट की शरण ली थी। साथ ही, कोर्ट ने जुर्माना राशि पांच हजार रुपये जमा नहीं करने पर मनोज कुमार को एक माह के अतिरिक्त कारावास भुगतने के आदेश दिए हैं।

# बागेश्वर : पिता ने दूध बेचकर बेटी को पढ़ाया बेटी ने IAS बनकर किया पिता का नाम रोशन

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

बागेश्वर 08 अगस्त : कुछ लोग मिसाल बनकर कई जिंदगियों को रोशन करने का हुनर रखते हैं, आईएएस अनुराधा पाल ऐसी ही शख्सियत हैं। ईमानदार ऑफिसर की छवि वाली आईएएस अनुराधा पाल वर्तमान में बागेश्वर की डीएम हैं। आज हम उनको एक कर्मठ अधिकारी के तौर पर जानते हैं, लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर इतना भी आसान नहीं था। लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्होंने न जाने कितनी तकलीफें झेली हैं। कष्ट इतना मिला कि कोई आम इंसान कब का टूट गया होता, फिर भी अनुराधा पाल ने न सिर्फ संघर्ष जारी रखा बल्कि आईएएस अफसर बनने में भी कामयाब हुईं।

आईएएस अनुराधा पाल हरिद्वार के एक छोटे से गांव की रहने वाली हैं। उनके पिता दूध बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिवार बेहद गरीब था, इसलिए अनुराधा ने पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी भी की। कोचिंग की फीस भरने के लिए वो बच्चों को ट्यूशन पढ़ाया करती थीं। हरिद्वार के नवोदय विद्यालय से पढ़ाई करने के बाद उन्होंने गोविंद बल्लभ पंत विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग किया। अनुराधा पाल हमेशा से सिविल सर्विसेज मे जाना चाहती थीं और इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। जिसके दम पर वह यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया 62 वी रैंक हासिल करने में सफल रहीं।

साल 2008 में पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका सेलेक्शन टेक महिंद्रा कंपनी में हो गया था, लेकिन यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने के लिए उन्होंने जॉब छोड़ दी। इसके बाद वो 3 साल तक कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, रुड़की में लेक्चरर भी रहीं। साल 2012 में उन्होंने 451वीं रैंक के साथ यूपीएससी की परीक्षा पास की, लेकिन अनुराधा आईएएस अफसर बनना चाहती थीं। इसलिए 2015 में उन्होंने फिर से UPSC परीक्षा दी और इस बार उनका ऑल इंडिया 62 रैंक के साथ आईएएस अधिकारी बनने का सपना पूरा हो गया। वह पिथौरागढ़ में सीडीओ के पद पर तैनात रह चुकी हैं। वर्तमान में वह बागेश्वर के 19वें जिलाधिकारी के रूप में कार्य कर रही हैं। आईएएस अनुराधा पाल ने साबित कर दिया कि संकल्प शक्ति और मेहनत के दम पर हर चुनौती को पार किया जा सकता है। IAS Anuradha Pal की कहानी आज दूसरी बेटियों को भी सफलता की राह दिखा रही है।

# विकास प्राधिकरण मानचित्र स्वीकृति को सर्वसुलभ व आसान बनाये : आनन्द बर्द्धन

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 8 अगस्त , अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता मेंसचिवालय में जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण/विकास प्राधिकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में पार्किंग परियोजनाओं, प्राधिकरण स्तर पर संचालित अन्य परियोजनाओं, महायोजना, सिटी मोबलिटी प्लान यूनिटी मॉल, लैण्ड बैंक, शेल्टर फण्ड, फसाड पॉलिसी, टी०डी०आर० एवं पार्किंग पॉलिसी तथा प्राधिकरणों में मानचित्रों के निस्तारण, ई-ऑफिस/ईज एप्प के साथ-साथ प्री एप्रूवल मैप/सेल्फ सर्टिफिकेशन आदि की समीक्षा की गयी।

अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने निर्देश दिये कि विकास प्राधिकरण मानचित्र स्वीकृति को सर्वसुलभ व आसान बनाये जाने के साथ-साथ निर्धारित अवधि में स्वीकृत कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण स्तर पर संचालित पार्किंग परियोजनाओं को तीव्र गति से पूर्ण करते हुए टर्नल व मैकेनिकल पार्किंग हेतु सम्भावनायें तलाशी जाए। स्थानीय स्तर पर पार्किंग विकासित किये जाने हेतु उत्तराखण्ड पार्किंग नियमावली के अन्तर्गत निजी भू-धारकों से प्रस्ताव प्राप्त करने में तेजी लायी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिये गये कि प्राधिकरण स्तर पर चलाये जाने वाली समस्त योजनाओं के प्रभावी नियोजन के लिए समय सारणी बनायी जाए ताकि परियोजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय सीमा के तहत किया जा सके।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि शहरों की यातायात व्यवस्था के नियोजन के लिए सिटी मोबेलिटी प्लान तैयार किया जाये तथा महायोजना निर्माण में सिटी मोबेलिटी प्लान के आधार पर प्राविधान किये जाए। महायोजना के विकास में आर्थिक संसाधनों का भी ध्यान रखा जाए जिससे महायोजनायें शहर के विस्तार को आर्थिक रूप से समृद्ध किये जाने में सहायक सिद्ध हो सके। उन्होंने कहा कि प्राधिकरणों को प्राप्त वाले शेल्टर फण्ड का उपयोग दुर्बल आय वर्ग के आवासों के निर्माण में किया जाए।

बैठक में चर्चा के दौरान भारत सरकार की हर शहर में यूनिटी मॉल तैयार किये जाने की योजना को ऋषिकेश, देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार तथा उधमसिंहनगर में चिन्हित भूमि की डी०पी०आर० तैयार कर आवश्यक रूप से उपलब्ध कराये जाने के भी निर्देश दिये गये, जिससे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय उत्पादों का एक साथ विपणन की सुविधा प्रदान की जाए सके।बैठक में एस०एन० पाण्डेय सचिव आवास, बंशीधर तिवारी उपाध्यक्ष मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण, हरिशचन्द काण्डपाल उपाध्यक्ष जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण उधमसिंहनगर, अंशुल सिंह उपाध्यक्ष हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण, पी०सी० दुम्का संयुक्त मुख्य प्रशासक उड़ा, एस०एस० श्रीवास्तव नगर नियोजक सहित सभी प्राधिकरणों के सचिव मौजूद रहे।

# दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने की राज्यपाल से भेंट

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने भेंट कर दून विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के लिए पहली डीएसटी-पर्स लैब की स्थापना के सम्बन्ध में जानकारी दी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर कुलपति सहित विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह न केवल दून विश्वविद्यालय के लिए बल्कि पूरे उत्तराखण्ड राज्य के लिए गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय को डीएसटी-पर्स लैब की स्थापना के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि डीएसटी-पर्स लैब की स्थापना, विश्वविद्यालय में रिसर्च और नवाचार के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार हेतु सहायक होगी।

कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने राज्यपाल को बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने दून विश्वविद्यालय, देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य के लिए पहली डीएसटी पर्स (पीयूआरएसइ) लैब स्थापित करने की मंजूरी दी है। डी0एस0टी0 द्वारा अभी तक इस प्रतिष्ठित पर्स (पीयूआरएसइः प्रमोशन आफ युनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफिक एक्ससेलेंस) योजना के तहत अनुदान के लिए उत्तराखण्ड राज्य में किसी भी संस्थान का चयन नहीं किया है।

दून विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड राज्य का पहला विश्वविद्यालय बन गया है जिसमें इस प्रतिष्ठित डीएसटी-पर्स लैब की स्थापना की जाएगी। यह पर्स अनुदान इतना प्रतिष्ठित है कि पूरे उत्तर प्रदेश में केवल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बी0एच0यू0) ही प्राप्त करने में सफल रहे हैं। 03 अगस्त 2023 को डीएसटी ने अपनी इस योजना के तहत सॉफिस्टिकेटेड इंस्ट्यूमेंटल फैसिलिटीज बनाने के लिए दून विश्वविद्यालय देहरादून को लगभग 06 करोड़ का अनुदान देने की आधिकारिक घोषणा की है। कुलपति ने बताया कि पर्स(पीयूआरएसइ) योजना के तहत भारत सरकार प्रस्ताव आमंत्रित करती है और एक बहुत ही कठोर और प्रतिस्पर्धी माध्यम से विश्वविद्यालयों को अनुदान (ग्रांट) प्रदान करती है। इस योजना के तहत, आवेदक विश्वविद्यालयों को अनुसंधान (रिसर्च) प्रस्ताव, एस0सी0आई0 जर्नल में प्रकाशित शोध पत्रों, एच इंडेक्स, आई-10 इंडेक्स, रिसर्च क्रेडेंशियल और रिसर्च आउटपुट के संदर्भ में निर्धारित पात्रता मानदंडों के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाता है।

# 15 बुनकर महिलाओं को सम्मानित किया

चमोली। जनपद चमोली में 9वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान हथकरघा क्षेत्र में समर्थ योजना के तहत प्रशिक्षण पूरा करने पर 15 बुनकर महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। भारत सरकार द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता आयोजित कार्यक्रम में जनपद की चार बुनकरों अनीता कण्डारी ग्राम मटई, सुनीता वर्मा चमोली, विमला देवी भीमतला तथा जयश्री चमोली ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि ने बुनकरों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हथकरघा उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है और बुनकरों को सशक्त बनाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि बुनकर योजनाओं का लाभ उठाएं और नई पीढ़ी को भी हथकरघा व्यवसाय की जानकारी देकर व्यापार को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को भी प्रेरित करते हुए स्थानीय और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर दिया। इस दौरान वर्ष 2021-22 में हस्तशिल्प में ग्राम छिनका की बुनकर महिला आशा देवी को प्रथम पुरस्कार 6 हजार व प्रशस्ति पत्र तथा ग्राम रौलीग्वाड़ की बुनकर महिला को 4 हजार व प्रशस्ति पत्र दिया गया। जबकि हथकरधा में नेग्वाड़ की विनीता परमार को प्रथम पुरस्कार के तहत 6 हजार व प्रशस्ति पत्र तथा ग्राम छिनका की मौली देवी को द्वितीय पुरस्कार के तहत 4 हजार का पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया गया। वर्ष 2022-23 में हस्तशिल्प में जोशीमठ के राम गोपाल को प्रथम पुरस्कार 6 हजार और प्रशस्ति पत्र तथा विरही की नर्वदा देवी को द्वितीय पुरस्कार 4000 व प्रशस्ति पत्र दिया गया। जबकि हथकरघा में मटई की अनीता कण्डारी को प्रथम पुरस्कार 6 हजार व प्रशस्ति पत्र तथा विरही के इन्द्र सिंह को द्वितीय पुरस्कार 4 हजार व प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर बुनकर सेवा केन्द्र के तकनीकी अधीक्षक, अक्षय पांडेय सहित जनपद के बुनकर मौजूद रहे।

# अनोखा इतिहास : एलबीएस अकेडमी में है हर्सिल के राजा की कब्र

साभार - सो.मी.

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 अगस्त , फ्रेडिरक ई विल्सन को उत्तराखंड में गंगोत्री के पास के एक गांव हर्सिल के लोग राजा हुलसिंग कहते थे। उसने हर्सिल पर राज किया। वहां हिमालय के देवदार पेड़ का व्यापार कर उसने अकूत धन कमाया और राजा बन गया। वहीं एक पहाड़ी औरत गुलाबी से शादी रचायी और परिवार बसाया। जीवन भर वह हर्सिल का राजा रहा और अपना सिक्का भी जारी किया। उसपर टिहरी गढ़वाल के राजा का कोई नियंत्रण नहीं था क्योंकि विल्सन खुद बहुत शक्तिशाली हो गया था।

मंसूरी में उसने चार्लीविला होटल बनाया था जिसमें आजकल भारतीय प्रशासनिक सेवा में पास करने वालों की ट्रेनिंग के लिए लाल बहादुर शास्त्री एकेडमी है। मंसूरी में ही उसकी कब्र है। उसकी कहानी का बयां रस्किन बांड ने करना चाहा लेकिन उन्होंने किताब का पहला अध्याय लिखने के बाद छोड़ दिया। रस्किन के अनुसार इसका कारण यह था कि विल्सन के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। फिर भी रिसर्च से जो थोड़ी-बहुत जानकारी उसके बारे में है, उसे संक्षेप में यहां दिया जा रहा है।

विल्सन ब्रिटेन में कहां का रहनेवाला था और गढ़वाल कैसे पहुंचा, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। कहा जाता है कि वह ब्रिटिश आर्मी छोड़कर भागा था और छुपने के लिए गढ़वाल के दूरदराज इलाके में भागीरथी नदी किनारे बसे एक गांव हर्सिल में उसने अपना डेरा जमाया और वहीं का होकर रह गया। हर्सिल गांव वही जगह है जहां राजकपूर के 'राम तेरी गंगा मैली' की शूटिंग हुई थी। इसी हर्सिल में वह झरना है जिसमें मंदाकिनी के नहाने का दृश्य फेमस है। इस झरने का नाम पड़ गया मंदाकिनी झरना।

हर्सिल गांव में जब भी विल्सन अपनी बंदूक लेकर इधर-उधर शिकार के लिए निकलता, गांव वाले डर जाते। विल्सन ने पहले हिरणों का शिकार कर उसके खाल और कस्तूरी को लंदन के एक कंपनी को बेचा। इस काम में उसने कुछ गांववालो को भी अपने साथ रखा और काम सिखाया। उसके बाद उसकी नज़र हिमालय के देवदार पेड़ पर पड़ी। भारत में रेल लाईन बिछाने के लिए देवदार पेड़ की लकड़ियों की जरूरत ब्रिटिश सरकार को थी।

विल्सन ने लकड़ियों को बेचने का अनोखा तरीका अपनाया। वह लकड़ियों को काटता और भागीरथी नदी के तेज धारा में छोड़ देता। उसके आदमी फिर उन लकड़ियों को नीचे मैदानी भाग में पहुंचने पर निकाल लेते थे। विल्सन को इस व्यापार में अकूत धन मिलने लगा। पहले तो उसने टिहरी-गढ़वाल राजा से देवदार काटने की अनुमति नहीं ली थी। लेकिन, बाद में उसने गढ़वाल के राजा को उसका हिस्सा देकर अनुमति लिया और जंगल का सफाया करने लगा।

विल्सन ने अंधाधुंध देवदार काटे और कम समय में ही वह अथाह धन कमाकर हर्सिल का शक्तिशाली राजा बन गया जिसपर टिहरी गढ़वाल के राजा का भी नियंत्रण नहीं था। उसने हर्सिल को लोगों को अपना गुलाम बनाया। उनपर मनमाने ढ़ंग से राज किया। वहां उसने अपना सिक्का भी चलवाया। एक पहाड़ी औरत गुलाबी से शादी की और परिवार बसाकर जीवन भर राज किया।

# चमोली पुलिस छात्राओं को सिखा रही आत्मरक्षा के फंडे

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

चमोली , 8 अगस्त , पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल के निर्देशन में चमोली पुलिस महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जनपद पुलिस द्वारा केन्द्रीय विद्यालय पठियालधार गोपेश्वर की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें महिला मुख्य आरक्षी पूनम रानी, महिला आरक्षी प्रियंका,महिला आरक्षी संगीता सैनी द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाकर उन्हें आत्मरक्षा हेतु सुदृढ़ करते हुये प्रगति के पथ पर निडर होकर अग्रसर होने हेतु सक्षम बनाया जा रहा है, जिससे जनपद की सैकड़ों छात्रायें लाभान्वित हो रही है।

इसमें छात्राओं को जागरुक किया और

महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं को रोकनें लिए उन्हे आत्मरक्षा करनें हेतु गुर सिखाएं । कौशल प्रदर्शन में छात्राओं पर होने वाले हमले के दौरान धैर्य एवं हमले से निपटने के गुर सिखाए व किक, पंच, काता के तरीके सिखाकर उन्हें निपुण बनाया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं में आत्मरक्षा,आत्मविश्वास की भावनाओं को जागृत कर उनको सबल एवं सजग रूप में प्रतिष्ठित करना है। इसके साथ ही बताया कि अगर कोई व्यक्ति संदेहजनक नजर आता है तो वह तुरन्त नजदीकी पुलिस थाने को बताएं।

महिलाओं का शोषण करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही न होने के कारण उनका हौंसला बढता जाता है। उन्होंने महिलाओं से शोषण, अत्याचार, उत्पीडन आदि के मामलों में आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाने, महिला हेल्प लाइन 1090, 112 जिसमें पीडित महिला/बालिकायें अपनी पहचान को संरक्षित रखते हुए अपनी शिकायत/समस्याओं को निःसंकोच दर्ज करा सकते हैं।

# देहरादून सहस्त्रधारा में मेडिकल की छात्रा को सेल्फी लेना पड़ा भारी, गई जान

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 08 अगस्त : सोशल मीडिया पर चंद लाइक्स और दूसरों को इंप्रेस करने का जुनून लोगों की जान पर भारी पड़ रहा है। भारत उन देशों में से एक है, जहां सेल्फी लेने के दौरान सबसे ज्यादा हादसे होते हैं।मुरादाबाद से आई स्वाति जैन के साथ भी यही हुआ। सहस्त्रधारा घूमने के दौरान स्वाति सेल्फी ले रही थी, तभी उसका पैर फिसला और वो नदी में बह गई। एसडीआरएफ और पुलिस टीम ने कई घंटे सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके बाद उसका शव बरामद हुआ।

शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। स्वाति जैन पुत्री पुनीत जैन 20 साल की थी। उसका परिवार मुजफ्फरनगर के खतौली में रहता है। स्वाति मेडिकल की छात्रा थी। परिवार वालों ने उसके लिए कई सपने देखे थे। उसे मेडिकल कॉलेज में पढ़ा रहे थे, लेकिन बीते दिन एक हादसे के बाद सब खत्म हो गया। स्वाति तीर्थंकर महावीर विवि, मुरादाबाद में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार शाम स्वाति अपने दोस्त देवराज सिंह निवासी यमुना विहार, दिल्ली के साथ ट्रेन से देहरादून आई थी। देहरादून पहुंचने के बाद दोनों ने एक स्कूटर रेंट पर लिया और शहर घूमने निकल पड़े। स्वाति और देवराज सहस्त्रधारा पहुंचे थे, यहां दोपहर करीब ढाई बजे दोनों सहस्त्रधारा के ऊपरी छोर पर नहा रहे थे। तभी स्वाति सेल्फी लेने लगी। इसी दौरान वो हादसे का शिकार हो गई। इस घटना के बाद से स्वाति के परिवार वाले गहरे सदमे में हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। आप भी इस घटना से सबक लें और सेल्फी के लिए अपनी जान जोखिम में डालने से बचें।

# शहीद हमीर पोखरियाल की शहादत एक मिसाल : डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 8 अगस्त , वीर अमर शहीद हमीर पोखरियाल की 5वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने श्रद्धांजलि अर्पित की। गुमानीवाला भट्टोवाला में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि हमीर पोखरियाल सात अगस्त 2018 को जम्मू कश्मीर में एक आतंकी मुठभेड़ में शहीद हुए थे। भारतीय सेना की घातक प्लाटून में तैनात शहीद हमीर पोखरियाल की सैन्य टुकड़ी ने सात आतंकवादियों को मार गिराया था।

इस मुठभेड़ में हमीर पोखरियाल सहित तीन जवान शहीद हो गए थे।डॉ अग्रवाल ने कहा कि देश के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाले वीर जवान जहां भारत माता की आन, बान और शान व सुरक्षा के लिए तत्पर है। वही देश में, देश के टुकड़े करने वाले लोग भी सक्रिय है। डॉ अग्रवाल ने कहा है कि ऐसे लोगों को पहचानने की आवश्यकता है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि जिस घर, परिवार से सैनिक निकलते हैं, वह घर और परिवार पूजनीय होता है। उस परिवार पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है। कहा कि हमीर ने देश सेवा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, ऐसे सच्चे देशभक्त समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनते है। कहा कि हमीर आज हमारे दिलों और दिमाग में आज भी जिंदा हैं। इस मौके पर शहीद की माता राजकुमारी, पिता जयेंद्र पोखरियाल, पत्नी पूजा, बेटी अन्वी, बेटा शौर्यवीर, चाचा शैलेन्द्र, आलेंद्र, समाजसेवी मानवेन्द्र कण्डारी, प्रधान दीपिका व्यास, शहीद प्रदीप रावत के पिता कुँवर सिंह रावत, मण्डल अध्यक्ष दिनेश पयाल, पार्षद वीरेंद्र रमोला, विजेंद्र मोंगा, लाल सिंह बोरा, वचन रावत, शैलेन्द्र सिंह, महेंद्र कंडवाल, हुकुम सिंह रांगड़, उपेंद्र रावत, टेक सिंह रावत सहित कई लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

## ई रिक्शा संचालकों का परिवहन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकश। ई-रिक्शा संचालकों ने परिवहन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। परिवहन विभाग के ई-रिक्शा को हाईवे से हटाने के प्रस्ताव पर प्रदर्शनकारियों ने नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन को भेजकर संचालकों ने ई-रिक्शा को हाईवे से हटाने संबंधी प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग उठाई। सोमवार को ई-रिक्शा संचालकों ने बाईपास मार्ग स्थित सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय ऋषिकेश में पहुंचकर प्रदर्शन किया। श्यामपुर ई रिक्शा एसोसिएशन के अध्यक्ष विजयपाल सिंह रावत ने कहा कि परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा को नेशनल हाईवे पर प्रतिबंधित करने के संबंध में अनुचित प्रस्ताव शासन को भेजना है। ई-रिक्शा संचालक रोड टैक्स और फिटनेस टैक्स के रूप में सरकार को राजस्व देते हैं। ऐसे में उनसे नेशनल हाईवे में वाहन संचालन का अधिकार छीनना ई-रिक्शा संचालकों के संवैधानिक अधिकार का हनन है।

## संपादकीय

# 'अविश्वास' का संसद सत्र

यह संसद के मानसून सत्र का अंतिम सप्ताह है। पूरा सत्र मणिपुर हिंसा और हत्याओं के मुद्दे पर धुल गया। सदन में विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच मोदी सरकार ने 13-14 विधेयक ध्वनि-मत से पारित करा लिए। सत्र में कुल 31 बिल पारित किए जाने थे। बेशक तकनीकी आधार पर बिल पारित माने जाएंगे, क्योंकि ध्वनि-मत भी संसदीय तरीका है, लेकिन रक्षा, शिक्षा, जन-सरोकार, कानून और सूचना प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर न तो कोई बहस हो सकी और न ही संसदीय स्थायी समितियां चिंतन कर सकीं। यदि 'दिल्ली सेवा विधेयक' (अध्यादेश) राज्यसभा में भी पारित हो जाता है, तो इसी बिल पर बहस हुई और बाकायदा पारित किया गया। दरअसल यह बिल विपक्षी गठबंधन की आम आदमी पार्टी की सरकार से जुड़ा था। बहरहाल लोकसभा और राज्यसभा में सत्ता और विपक्ष के बीच 'नियम और नाक की लड़ाई' के कारण औसतन 10-15 फीसदी ही काम हो पाया। अब लोकसभा में सोमवार, 7 अगस्त, को ही बची-खुची कार्यवाही संभव है, क्योंकि मंगलवार-बुधवार, 8-9 अगस्त, को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी है। फिर 10 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी पूरी बहस का जवाब देंगे। मत-विभाजन होगा और संसद को 'अनिश्चितकाल के लिए स्थगित' (साइनेडाई) किया जा सकता है। वैसे भी पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मानसून सत्र की अवधि 11 अगस्त तक ही तय की गई थी। मणिपुर हिंसा के अलावा दिल्ली सेवा बिल, अविश्वास प्रस्ताव और सर्वोच्च अदालत द्वारा राहुल गांधी की सजा पर रोक आदि मानसून सत्र के सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे रहे हैं। आश्चर्य यह रहा कि प्रधानमंत्री मोदी एक बार भी, किसी भी सदन में, उपस्थित नहीं रहे। विपक्ष ने लगातार यह सवाल उठाया। माना जा सकता है कि प्रधानमंत्री की स्वदेशी और अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताएं काफी रहती हैं, लेकिन उन्होंने भाजपा-एनडीए सांसदों से मुलाकातों के घंटे भी तो निकाले थे। राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में उन्होंने उद्घाटन और शिलान्यास भी किए और चुनावी जनसभाओं को भी संबोधित किया। हमने संसदीय कवरेज के अपने अनुभव में यह नहीं देखा कि प्रधानमंत्री एक बार भी, सत्र के दौरान, संसद में मौजूद न रहे हों। देवगौड़ा और गुजराल जैसे अपेक्षाकृत कमजोर प्रधानमंत्री भी सदन में मौजूद रहते थे। बहरहाल अब अविश्वास प्रस्ताव पर मौजूद रहना और अंततः बहस का जवाब देना प्रधानमंत्री की संसदीय बाध्यता है। अविश्वास प्रस्ताव पर किसी भी पक्ष का बोलना, मुद्दे उछालना, 2024 के आम चुनाव की राजनीतिक जमीन तैयार करना स्वाभाविक है।

**दैनिक न्यूज़ वायरस**
**संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

## मानव तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़

हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने गाजियाबाद की एक 30 वर्षीय विवाहित महिला को दर्दनाशक इंजेक्शन देकर बार-बार दुष्कर्म करने और उसे रूडकी में वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करने के आरोप में सोमवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस की जांच में एक बड़े मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। आरोपियों की पहचान मुजफ्फरनगर के 20 साल के मोहम्मद शाकिब और नदीम के रूप में हुई है।

पुलिस ने कहा कि महिला पिछले महीने काम के बहाने गाजियाबाद से नदीम के साथ हरिद्वार आई थी। नदीम ने उसे शाकिब से मिलवाया। नदीम ने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया और वेश्यावृत्ति में धकेल दिया। नदीम पीड़िता को दर्दनाशक इंजेक्शन भी देता था। पुलिस ने छानबीन में पाया कि वारदात में शाकिब की पत्नी आयशा भी शामिल थी। पुलिस ने पहले तो इस संबंध में मोहम्मद शाकिब और उसकी पत्नी आयशा उर्फ खुशी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) और 328 (अपराध करने के इरादे से जहर आदि के माध्यम से चोट पहुंचाना) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। बाद में एफआईआर में अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम से संबंधित धाराएं जोड़ी।

पुलिस ने बताया कि महिला शनिवार को गंगानगर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले एक इलाके में नशे की हालत में पड़ी पाई गई। उसे रूडकी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला शुरू में लिखित शिकायत देने की स्थिति में नहीं थी। उसे इस कदर टार्चर किया गया था कि वह परिवार के सदस्यों के मोबाइल नंबर भी भूल गई थी। पति के आने के बाद ही महिला ने शिकायत दी, जिसे तुरंत एफआईआर में बदल दिया गया। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने कहा- हम महिला की काउंसलिंग कर रहे थे। उसके परिवार के बारे में जानकारी जुटाने के बाद एक टीम गाजियाबाद भेजी गई। उसका पति आया। महिला ने आखिरकार शाकिब नामक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म करने और उसे वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करने की शिकायत दी।

## संक्षिप्त खबरें

### नौ अगस्त क्रांति दिवस पर लघु व्यापारी निकालेंगे स्वाभिमान रैली

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन की ओर से नौ अगस्त क्रांति दिवस पर स्वाभिमान रैली निकाली जाएगी। एसोसिएशन ने लघु व्यापारियों की समस्या दूर करने की मांग की। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) की ओर से प्रकाशित की गई पत्रिका हक की लड़ाई और डॉक्यूमेंट्री का विमोचन किया। नौ अगस्त क्रांति दिवस पर प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम लागू करने को लेकर स्वाभिमान रैली का आयोजन करने की घोषणा की। उन्होंने कहा राज्य में नगरीय फेरी नीति 2016 घोषित हो चुकी है। लेकिन अब तक अफसरशाही की लापरवाही और निकायों की इच्छाशक्ति की कमी के कारण लघु व्यापारियों को समय से केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का संरक्षण नहीं मिल पाया है । बताया कि नौ अगस्त क्रांति दिवस पर नासवी के आह्वान पर संगठन अपने अधिकारों के लिए स्ट्रीट वेंडर्स क्रांति स्वाभिमान रैली का आयोजन करेगा। रैली में राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम को ईमानदारी के साथ लागू किए जाने की मांग प्रमुख रहेगी। इस दौरान लघु व्यापार महिला मोर्चा की अध्यक्ष पूनम माखन, नंदकिशोर गोस्वामी, कमल पंडित, जय सिंह बिष्ट, तारकेश्वर प्रसाद, अवधेश कोठियाल, कुंवर सिंह मंडल, नीरज कश्यप, रणवीर सिंह, मोहनलाल, सोमराज शर्मा, कल्लू, चंदन दास, बिजेंदर आदि मौजूद रहे।

### एनसीसी भर्ती में जांची कैडेट्स की दक्षता

रुडकी। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज रुडकी में तीन यूके सीटीआर एनसीसी ने सीनियर डिवीजन के कैडेट्स की शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें 58 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। कैडेट्स की दक्षता के लिए 1.5 किलोमीटर रनिंग, चिनअप, पुशअप और इनिशियल रिटर्न टेस्ट लिया गया। भर्ती करने वाले स्टाफ में सूबेदार जगदीप, नायब सूबेदार जगमीत सिंह, एएनओ लेफ्टिनेंट रामकुमार वर्मा, प्रधानाचार्य सुबोध कुमार मलिक, सुभाष चन्द्र जोशी, सिविल स्टाफ शामिल रहे। इस दौरान सूबेदार जगदीप ने बताया कि राष्ट्र और सामाजिक कार्यों में एनसीसी का योगदान अग्रणी है।

### नेशनल हाईवे पर नहीं चल पाएंगे ई-रिक्शा

रुडकी। नेशनल हाईवे पर अब ई रिक्शा नहीं चल पाएंगे। इसके साथ ही बिना आईएसआई मार्क के हेलमेट लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सीपीयू की टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाकर छह वाहनों को सीज किया। सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सीपीयू की टीम ने क्षेत्र में विशेष अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत अब हाईवे पर ई-रिक्शा संचालित नहीं हो पाएंगे। इसके साथ ही जुगाड़ वाहन भी क्षेत्र में प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। जुगाड़ वाहनों को देखने के साथ ही उन्हें जब्त कर सीज किए जाने के आदेश दिए गए हैं।

### ग्राम पंचायतों की मिट्टी से दिल्ली में बनाई जाएगी अमृत वाटिका

रुडकी। आजादी के अमृत महोत्सव को यादगार बनाने और वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के सम्मान में आयोजित मेरी माटी, मेरा देश अभियान नौ अगस्त से शुरू होगा। रुडकी ब्लॉक में ग्राम पंचायतवार कल से शुरू होने वाला यह कार्यक्रम 15 अगस्त तक चलेगा। इस कार्यक्रम में अमृत वाटिका निर्माण, वीरों का वंदन, पंचप्रण शपथ, झंडारोहण और राष्ट्रीय गान आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं, 15 अगस्त के बाद मिट्टी यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत से मिट्टी विकासखंड लाई जाएगी। विकासखंड में ग्राम पंचायतों से लाई गई मिट्टी को मिलाकर उसमें से कुछ मिट्टी एक कलश में रखी जाएगी। इसे नई दिल्ली कर्तव्य पथ तक ले जाया जाएगा। अभियान का अंतिम समारोह नई दिल्ली कर्तव्य पथ पर 27 से 30 अगस्त तक आयोजित होगा।

### अब अपने अधिकारों के लिए लडऩा होगा: काला

रुडकी। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संघर्ष समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष हर्ष प्रकाश काला ने आमजन के लिए किए जा रहे संघर्ष में आमजन की सहभागिता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य बने 23 साल पूरे होने वाले हैं। उत्तराखंडवासी उत्तराखंड बनने की बाद अभी तक सभी सरकारों से अत्यधिक उपेक्षित हैं। काला ने आह्वान किया कि अब हमें अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना है। नौ अगस्त क्रांति दिवस के दिन उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच क्रांति मार्च में सम्मिलित होकर अपने अधिकारों के लिए राज्य के मूल निवासियों को बढ़-चढक़र हिस्सा लेना चाहिए। काला ने मुख्यमंत्री वादा निभाओ की गर्जना के साथ नौ अगस्त को सीएम आवास घेराव में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की बात कही।

### वोकल फॉर लोकल के लिए लोगों को जागरूक किया

ऋषिकेश। भाजपा महिला मोर्चा ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों से स्वदेशी और हाथ से निर्मित वस्तुओं को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर लोगों को वोकल फॉर लोकल के लिए जागरूक किया। सोमवार को रेलवे मार्ग स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में महिला मोर्चा ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के तहत भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने आदर्श नगर क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को वोकल फॉर लोकल के प्रति जागरूक किया। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष कविता शाह ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में खादी के उत्पादन में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और खादी के कपड़ों की बिक्री भी पांच गुना बढ़ गई है। पीएम के आवाहन पर आज देश-विदेश में खादी के कपड़ों की मांग बढ़ रही है। पीएम के वोकल फॉर लोकल की भावना के साथ देशवासी स्वदेशी उत्पादों को हाथों-हाथ खरीद रहे हैं, ये एक जनआंदोलन बन गया है। हमारे परिधान, हमारा पहनावा हमारी पहचान से जुड़ा रहा है। महिला मोर्चा के प्रभारी मनोज ध्यानी ने कहा कि हथकरघा दिवस मनाने का उद्देश्य लघु और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देना है। यह बहुत जरूरी है कि हथकरघा से बनी चीजें देश-विदेश के कोने-कोने तक पहुंचे। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र राणा, पूर्व ब्लाक प्रमुख नगीना रानी, मंडल महामंत्री नितिन सक्सेना, जिला कार्यालय प्रभारी देवदत्त शर्मा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष निर्मला उनियाल, सोनी रावत, समा पवार, जिला उपाध्यक्ष आशा सेमवाल, रोमा सहगल, जिला सोशल मीडिया प्रभारी भावना किशोर गौड़, जिला मंत्री मंजू नेगी, मंडल महामंत्री महिला मोर्चा निवेदिता सरकार, गुड्डी कालूड़ा, भारतीय ग्रामोत्थान संस्थान के पीआरओ एनपी कुकशाल आदि रहे। उधर, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर ढालवाला स्थित भारतीय ग्रामोत्थान संस्थान में कार्यक्रम हुआ। इसमें भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष कविता शाह ने लोगों को स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया।

# शैक्षणिक पाठ्यक्रम राज्य आंदोलन 24-25 जुलाई 1979 से हो शुरू : यूकेडी

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 8 अगस्त , उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से उक्रांद का शिष्ट मण्डल सुनील ध्यानी केंद्रीय उपाध्यक्ष / मिडिया प्रभारी, विजय कुमार बौड़ाई केंद्रीय महामंत्री, बिजेंद्र रावत महानगर अध्यक्ष देहरादून, राम कुमार शंखधर महानगर उपाध्यक्ष देहरादून मुलाक़ात की। सरकार ने निर्णय लिया हैं कि उत्तराखंड के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उत्तराखंड राज्य प्राप्ति संघर्षो के इतिहास को जोड़ा जाना हैं।

मांग पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया हैं कि शैक्षणिक पाठ्यक्रम राज्य आंदोलन 24-25 जुलाई 1979 उक्रांद के अस्तित्व में आने से होगा, डा० डी० डी० पंत प्रथम अध्यक्ष, दल के प्रथम विधायक स्व० जसवंत सिंह बिष्ट 1980 में रानीखेत से विधायक बने व उत्तराखंड प्रदेश विधानसभा में सत्र के दौरान पृथक उत्तराखंड राज्य का सबसे पहले संकल्प रखा, नशा नहीं रोजगार दो, नारे के साथ,1987 में राज्य की मांग को लेकर दिल्ली रामलीला मैदान में विशाल रैली, संसद में राज्य की मांग को लेकर पत्र त्रिवेंद्र सिंह पंवार द्वारा सत्र के दौरान की इतिहासिक घटना, सन 1992 में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के नाम राज्य की राजधानी चंद्र नगर गैरसैण स्थापना करना, तात्कालिक दल के अध्यक्ष व विधायक काशी सिंह ऐरी द्वारा उत्तर प्रदेश विधानसभा में सत्र के दौरान एक दिन में 78 प्रश्न उठाना, जहाँ से संसदीय नियमावली बदली गयी कि कोई भी सांसद, विधायक व विधान परिषद के सदस्य (एम० एल० सी०) अब एक दिन में प्रश्नकाल के दौरान 5 प्रश्न कर सकता हैं।

जो कि संसदीय प्रणाली में बदलाव की यह इतिहासिक घटना ऐरी के नाम हैं, 2 अगस्त 1994 को पहाड़ के गाँधी स्व० इंद्र मणि बड़ोनी जी के नेतृत्व में अन्य साथ लोगो की पृथक उत्तराखंड राज्य के लिए पौडी कमीशनरी में भूख हड़ताल की ऐतिहासिक घटना,जहाँ से राज्य का जन आंदोलन की बिगुल फुकने की घटना से लेकर खेट पर्वत टिहरी में फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट जी द्वारा राज्य के लिए आमरण अनशन की घटना, श्रीयंत्र टापू काण्ड को शिक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल

किया जाने की मांग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समक्ष रखी। साथ ही यह मांग भी रखी कि राज्य आंदोलन के इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए जो कमेठी सरकार के द्वारा बनायीं गयी या जा रही हैं उसमें राज्य प्राप्ति आंदोलन के पुरोधा दिवाकर भट्ट , काशी सिंह ऐरी , त्रिवेंद्र सिंह पंवार व बी० डी० रतूड़ी को शामिल किया जाय।

# एस्पायर हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के 'कंट्री इन प्रीमियर' होटल के प्रदीप सिंह पंवार बने कार्यकारी शेफ

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

8 अगस्त, नई दिल्ली / देहरादून , कंट्री इन प्रीमियर - द प्रोमिनेंस, देहरादून, जिसे 11 अगस्त, 2023 को खोलने की योजना है, ने प्रदीप सिंह पंवार को कार्यकारी शेफ नियुक्त किया है। पाक संचालन में दो दशकों से अधिक के शानदार करियर के साथ, शेफ प्रदीप होटल द्वारा पेश की जाने वाली अनूठी और विचारोत्तेजक भोजन अवधारणाओं का नेतृत्व करेंगे।शेफ प्रदीप का इंटरकांटिनेंटल होटल ग्रुप, ग्रैंड हयात और रेडिसन होटल ग्रुप जैसे प्रसिद्ध आतिथ्य ब्रांडों के साथ पाक संचालन में व्यापक अनुभव उन्हें देहरादून के जिज्ञासु और प्रयोगात्मक भोजनकर्ताओं के लिए अच्छी तरह से योजनाबद्ध नई अवधारणाओं को लॉन्च करने और स्थापित करने के लिए आदर्श बनाता है।भोजन के पारंपरिक तरीके के विपरीत, होटल ने सप्ताह के दिनों के आधार पर मेहमानों के मूड से मेल खाने के लिए एक ही स्थान पर दो अलग-अलग भोजन दृश्य तैयार किए हैं। कोई भी व्यक्ति होटल के सप्ताहांत के एकमात्र रेस्तरां 'अमेयाज़ किचन' में 'असीमित भारतीय और एशियाई भोजन' का आनंद ले सकेगा, क्योंकि वे सप्ताहांत में भोजन के अंतहीन आनंद के मूड में आने लगेंगे, जबकि सप्ताह के दिनों के रेस्तरां 'व्हेयर द हार्ट लाइज़' में ऐसा होगा। सबसे लोकप्रिय एशियाई, महाद्वीपीय और प्रगतिशील भारतीय पाक व्यंजनों की एक विस्तृत श्रृंखला परोसें।रचनात्मक दृष्टि और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण से लैस, शेफ प्रदीप देहरादून के दर्शकों के लिए भोजन के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए तैयार हैं। स्थानीय रूप से प्राप्त, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों का उपयोग करने का उनका जुनून पाककला की पेशकश को बढ़ाएगा और सर्वोत्तम स्वच्छता मानकों की पेशकश करेगा।

एस्पायर हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल अरोड़ा ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, ₹हमें अपनी टीम में शेफ प्रदीप का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है और हम एक ऐसा भोजन दृश्य बनाने के लिए उत्सुक हैं जो हमारे मेहमानों को अपने पसंदीदा भोजन स्थान पर बार-बार आने का कारण देगा।₹ हमें विश्वास है कि शेफ प्रदीप एक अमूल्य संपत्ति होंगे, जो अपनी रचनात्मकता, विशाल अनुभव और प्रभावशाली पाक शैली को भोजन के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करेंगे जो आनंददायक और पौष्टिक दोनों हैं।

**कंट्री इन प्रीमियर - द प्रॉमिनेंस, देहरादून के बारे में**

देहरादून-मसूरी रोड पर सुविधाजनक रूप से स्थित, 'कंट्री इन प्रीमियर - द प्रोमिनेंस, देहरादून' शांत मालसी जंगल और राजसी हिमालय श्रृंखला को देखता है। यह शानदार होटल आधुनिक सौंदर्य और समृद्ध अनुभवों का एक सुस्वादु मिश्रण है जो देहरादून में एक बेहतरीन प्रवास का वादा करता है। 42 समकालीन अतिथि कक्ष, गंतव्य भोजन विकल्प और सावधानीपूर्वक तैयार किए गए हर विवरण के साथ, होटल निश्चित रूप से स्थायी यादें प्रदान करता है। 'कंट्री इन प्रीमियर - द प्रोमिनेंस, देहरादून' में, सुप्रसिद्ध 'कंट्री इन' आतिथ्य का अनुभव करें जो हार्दिक और सहज है, एक प्रेरणादायक प्रवास के लिए विशाल आंतरिक सज्जा और प्रीमियम सुविधाएं हैं।

**एस्पायर हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के बारे में**

एस्पायर हॉस्पिटैलिटी ग्रुप भारत के सबसे शानदार लक्जरी रिसॉर्ट 'सिक्स सेंसेज फोर्ट बरवारा' की मालिक कंपनी है, जो एक मिड-मार्केट रिसॉर्ट श्रृंखला 'कंट्री इन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स' का मालिक है और इसका संचालन करता है और एक लक्जरी बुटीक रिसॉर्ट ब्रांड 'ज़ाना - लक्ज़री एस्केप्स' का संचालन करता है। विलासिता और उच्चतम आतिथ्य का संगम है। समूह की योजना अगले 2 से 3 वर्षों में 20 होटल और रिसॉर्ट खोलने की है।

## संक्षिप्त खबरें

### यूसीसी के समर्थन में संतों ने किया सांकेतिक उपवास

हरिद्वार। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के समर्थन में संतों ने सोमवार को हरकी पैड़ी पर सांकेतिक उपवास किया। संतों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उत्तराखंड के साथ देश के सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग की। संतों ने कहा कि समय की आवश्यकता को देखते हुए आज समान नागरिक संहिता बेहद जरूरी है। इस दौरान मीडिया से बातचीत में जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी ने कहा कि संतों ने तय किया है, जो भारत माता की जय बोलता है, वह इस देश का नागरिक है, देश का सपूत है और देश भक्त है, जो भारत माता की जय नहीं बोलता है और वंदे मातरम नहीं बोलता है वह भारत का देश का सपूत नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश में लाइन खींचनी पड़ेगी कि कौन देश भक्त और कौन देश द्रोही है। उन्होंने कहा कि सारे संसार में भारत ऐसा देश है जहां अलग-अलग कानून हैं और समाज को बांटा जाता है। संतों की मांग है कि एक देश, एक नागिरक और एक कानून लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के अंदर भेदभाव मिटना चाहिए, सब भारतीय है और सबको भारत माता की जय और वंदे मातरम की जय बोलनी होगी। कार्यक्रम संयोजक प्रबोधानंद ने कहा कि अब यूसीसी लागू करने में देरी नहीं होनी चाहिए। 75 साल से देरी हो रही है अब इसे तत्काल कानून लागू होना चाहिए। महामंडलेश्वर रूपेंद्र प्रकाश ने कहा कि पूरे देश की मांग है कि जल्दी यूसीसी को लागू करें। लोकसभा चुनाव से पहले देश में यूसीसी लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पर संतों का सरकार को पूर्ण समर्थन है। इस मौके पर अखाड़ा परिषद के पूर्व प्रवक्ता बाबा हठयोगी, श्रीगंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, महामंडलेश्वर हरिचेतानदं, महंत विष्णु दास, स्वामी ऋषिश्वरानंद, महंत गोविंद दास, महंत जसविंदर सिंह, महंत राममुनि, महंत जयेंद्र मुनि, रघुबीर दास, स्वामी आदियोगी आदि शामिल रहे।

### इंटीग्रेटेड टाउनशिप के विरोध में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

ऋषिकेष। डोईवाला में एक बार फिर इंटीग्रेटेड टाउनशिप का मामला गर्मा गया है। मुख्यमंत्री के बयान के बाद यह मामला शांत हो गया था, लेकिन डोईवाला में इंटीग्रेटेड टाउनशिप के कथित सर्वे के बाद एक बार फिर इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि अधिकारी सफाई दे रहे हैं ऐसा कोई सर्वे नहीं कराया गया है। सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने यहां इंटीग्रेटेड टाउनशिप के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। डोईवाला गुरुद्वारे के बाहर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले सोमवार को किसानों का धरना प्रदर्शन शुरू हुआ। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह खालसा ने कहा कि एक और जहां मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री टाउनशिप ना बनाने का बयान देते हैं, वहीं दूसरी ओर केंद्र से एक टीम आकर माजरीग्रांट में सर्वे और फोटोग्राफी करती है। इसके बाद किसान संयुक्त मोर्चा ने अनिश्चितकालीन धरने का आवाहन किया, तो शासन प्रशासन किसानों पर धरना नहीं करने का दबाव बनाता रहा। उन्होंने कहा कि हम उत्तराखंड के ही निवासी हैं। मुख्यमंत्री स्वयं हमारे बीच आकर डोईवाला में इंटीग्रेटेड टाउनशिप नहीं बनाने का लिखित आश्वासन दें या मुख्य सचिव के हाथों लिखित आश्वासन दिलवाएं। जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने पर टिकैत यूनियन के गढ़वाल मंडल महामंत्री इंदरजीत सिंह, प्रदेश सचिव गुरदीप सिंह, जनरल सिंह, राजेंद्र सिंह, प्रिंस सिंह, सरजीत सिंह, फुरकान अहमद, जसवंत सिंह, प्रेम सिंह, बलवीर सिंह, अजय, पूनम देवी, आशा देवी, मनजीत, कमला थापा, अमर कौर आदि मौजूद रहे।

### शहीद हमीर पोखरियाल की 5वीं पुण्यतिथि दी श्रद्धांजलि

ऋषिकेश। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि जिस घर और परिवार से सैनिक निकलते हैं, वह घर और परिवार पूजनीय होता है। उस परिवार पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है। सोमवार को गुमानीवाला भट्टोवाला में शहीद हमीर पोखरियाल की 5वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहीद हमीर पोखरियाल को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि हमीर पोखरियाल सात अगस्त 2018 को जम्मू कश्मीर में एक आतंकी मुठभेड़ में शहीद हुए थे।